विवरण

शिक्षा की माध्यमिक और विश्व-विद्यालय अवस्थाओं में अंग्रेजी अध्यापन का स्तर सुधारने के लिये जो उपाय किये गये हैं वे नीचे दिये गये हैं । प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा ही शिक्षा का माध्यम है ।

माध्यमिक स्तर :

अंग्रेजी का केन्द्रीय संस्थान (सेन्ट्रल इंस्टिट्यूट आफ इंगलिश) नाम का एक संस्थान हैदराबाद में खोला गया है जिसने १७-११-५८ से काम शुरू कर दिया है । यह संस्थान अंग्रेजी पढ़ाने के अच्छे तरीकों और तकनीकों के विकास की समस्या का अध्ययन करेगा और पाठ्य पुस्तकें तैयार करने के साथ साथ अध्यापकों को सिखलाई देने का काम भी करेगा ।

विश्वविद्यालय स्तर

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने १९५५ में प० एच० एन० कुंजरू की अध्यक्षता में एक समिति नियुक्त की थी जो विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षा के माध्यम की समस्या की जांच करे और ऐसे तौर-तरीकों की सिफारिश करे जिन से विश्वविद्यालय स्तर पर अंग्रेजी में पर्याप्त दक्षता प्राप्त की जा सके । इस समिति ने अपनी रिपोर्ट विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को नवम्बर, १९५७ के अन्त में पेश की थी । विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने कुंजरू समिति की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया है ।

कुंजरू समिति की रिपोर्ट और अंग्रेजी अध्यापन की समस्याओं पर हुए सम्मेलन की रिपोर्ट की प्रतियां, सूचना और सदर्शन के लिये सभी विश्वविद्यालयों और राज्य सरकारों को भेजी जा चुकी हैं ।

Coal Fields in Assam and Andhra Pradesh

*263. **Shri Jaipal Singh:**
Shri Bhanja Deo:
Shri M B Thakore:

Will the Minister of **Steel, Mines and Fuel** be pleased to state whether the Coal Price Revision Committee have submitted their supplementary report on the cost of production of coal in Assam and Andhra Pradesh?

The Minister of Steel, Mines and Fuel (Sardar Swaran Singh): The Committee has not yet submitted its supplementary report

National Calendar

*264 **Shri Asar** Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state

(a) whether it is a fact that Government propose to print National Calendar (Panchang) in eleven languages, and

(b) if so, the details thereof?

The Deputy Minister of Home Affairs (Shrimati Alva) (a) and (b) The Rashtriya Panchangs based on the National Calendar are being printed in all major languages, namely, Hindi, Urdu, Bengali, Marathi, Gujerati, Telugu Tamil, Kanarese, Malayalam, Oriya, English and Sanskrit

Use of Hindi Numerals

*265 **Shri N. R Munisamy:** Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state

(a) whether it is a fact that a large number of the Government of India publications resort to Hindi numerals instead of international form of numerals,

(b) if so, the reasons therefor;

(c) whether the constitutional provisions in this regard are strictly adhered to, and

(d) if not, the reasons therefor?